



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 48]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 20, 1992/फाल्गुन 30, 1913

No. 48]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 20, 1992/PHALGUNA 30, 1913

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

वाणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 282 आई टी सी (पी एन)/90-93

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1992

विषय :—120,000,000 आस्ट्रियाई गिलिंग के आस्ट्रियाई पुंजीगत माल केडिट, 1991 के अंतर्गत निजी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र के आयातों के लिये लाइसेंस जर्नो के संबंध में।

फाइल सं. आई पी सी 23(87)/90-93 :—120,000,000 आस्ट्रियाई गिलिंग के लिये आस्ट्रियाई पुंजीगत माल केडिट, 1991, जिस पर भारत सरकार और आस्ट्रिया की सरकार के बीच 20-12-91 का हस्ताक्षर किये गये थे, के अंतर्गत निजी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र के लिये लाइसेंस जर्नो, जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, को सूचनार्थ अधिसूचित किया जाता है।

डी. आर. मेहता, मुख्य नियंत्रक,
आयात-नियंत्रण

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 282-आई टी सी (पी एन)/90-93 दिनांक 20-3-92 का परिशिष्ट

निजी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र के लिये लाइसेंस जर्नो आस्ट्रियाई पुंजीगत माल केडिट, 1991 के अंतर्गत आयात।

लाइसेंस 12 महीने की वैधता अवधि के लिये जारी किये जायेंगे लेकिन लगभग बीमा-भाड़ा-लागत और भाड़ा प्राधार पर फर्म आर्डर आस्ट्रियाई सप्लायरों को प्रस्तुत कर दिये जायें और उसकी प्रतियाँ वित्त मंत्रालय, प्राथमिक कार्य विभाग, नई दिल्ली को आयात लाइसेंस जारी करने की तारीख से चार महीने के अंदर भेज दी जायें। फर्म आर्डर गारंटी का अभिप्राय उस अवधि के अंतर्गत है जो भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा आस्ट्रियाई सप्लायरों को विधिवत पुष्टि करके उसे भेजा जाए अथवा वह ऐसी क्रय संविदा हो जिस पर भारतीय आयातक और विदेशी सप्लायर कर्ता दोनों द्वारा विधिवत हस्ताक्षर किया गया हो यदि फर्म आर्डर को 4 महीने की अवधि के अन्तर्गत प्रतिसूचित नहीं दिया जाता है तो लाइसेंसधारी मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण (सी सी आई एन आई) या अन्य लाइसेंसिंग प्राधिकारी को, जैसी भी स्थिति हो, आर्डर करने की अवधि बढ़ाने के लिये एक प्रस्ताव प्रस्तुत करें जिसके साथ वह स्पष्टीकरण भी दे कि आर्थिक वैधता अवधि के दौरान आर्डर क्यों नहीं दिया गया। आर्डर देने की अवधि बढ़ाने के ऐसे अनुरोध पर लाइसेंसिंग प्राधिकारियों द्वारा प्रत्येक मामले के गुणवत्ता के अनुसार विचार

किया जायेगा, जो प्राप्ति 2 महीने की अधिकतम अवधि बढ़ाने की मंजूरी दे सकते हैं। तथापि यदि, आयात लाइसेंस जारी करने की तारीख से (छ.) 6 महीने से प्राप्ति समय बढ़ाने की मांग हो तो लाइसेंसिंग प्राधिकारी ऐसे प्रस्ताव को आर्थिक कार्य विभाग, (ईईसी-IV अनुभाग), वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली की भेज सकते हैं। "एस" और "ए" वाले लाइसेंस कोड्स का लाइसेंस संख्या के बाद पहले और दूसरे प्रस्थ में उल्लेख किया जाये। सभी पोत परिवहन दस्तावेजों में सभी लाइसेंस कोड लिखे जायें। इसके साथ ही रुपया जमा कराते समय भारतीय बैंक को भेजे गये "एस" फार्म में भी इसे लिखा जायें।

2. केवल आस्ट्रियाई मूल का पूंजीगत माल ही क्रेडिट के अंतर्गत वित्त पोषण के योग्य है।

3. लाइसेंस भारत से प्रेषण के लिये वैध नहीं होगा आस्ट्रियाई संपत्तिदाताओं को भुगतान केवल जीके दिये गये पैराग्राफ 6-10 में उल्लिखित क्रियाविधि के अनुसार किया जायेगा।

4. भारतीय आयातक और आस्ट्रियाई संभरक के बीच संपत्ति की संविदा में इन लाइसेंसिंग शर्तों में दी गई प्रक्रियाओं के अनुसार आस्ट्रियाई पूंजीगत माल ऋण, 1991 में वित्तपोषण किये जा रहे आयात की व्यवस्था होनी चाहिए और इसे भारत सरकार की मंजूरी मिलनी चाहिए। आयातक इस शर्त की संभरकों को सूचित करने में विशेष ध्यान दें और संपत्ति संविदा में इस संबंध में खण्ड भी शामिल करें। इसके अलावा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली से पहले मंजूरी लिये बगैर अनुमोदित आदेशों को रद्द नहीं किया जाए।

5. संविदा का मूल्य केवल आस्ट्रियाई शिपिंगों में हो दिया जाए। संविदा में प्रामाण्य पर पोत परिवहन दस्तावेज प्रस्तुत करने पर आस्ट्रियाई पूंजीगत सामान ऋण, 1991 में नकद भुगतान की व्यवस्था होगी। किसी भी प्रकार की प्रचलित कार्य निष्पादन गारंटी के लिये संभरकों को बैंक गारंटी देने के लिये कहा जा सकता है।

6. संविदा के समाप्त होने के तुरंत बाद आयातक को संविदा/सालाई आर्बर् की 5 (पांच) फोटोस्टेट या प्रमाणित प्रतियां देनी होंगी जिसके साथ आयात लाइसेंस, यदि कोई हो, की दो फोटो स्टेट प्रतियां भी साथ लगानी होंगी, अथवा विदेशी मुद्रा संस्वीकृति लगाकर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (एस ई सी-IV अनुभाग) को भेजनी होगी। आयातक को अनुबन्ध-1 (तीन प्रतियों में) में दिये गये ब्यौरे के अनुसार भी सूचना देनी होगी।

7. आस्ट्रिया से आयात के लिये सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और भारत सरकार को छोड़कर कम्पनियों और संस्थानों के माग्य में समाप्त हुई संविदाओं के लिये आयातक को कलेक्टर ऑफ स्टैम्प द्वारा विधिवत अधिनिर्णित निर्धारित फार्म (अनुबन्ध-2) में अनुमोदित अनुसूचित बैंक से एक बैंक गारंटी देनी होगी। बैंक गारंटी संविदा की राशि के समकक्ष रुपये की राशि के अनुसार होनी चाहिए जिसके लिये साथ पत्र तथा ब्याज और अन्य प्रभाओं की मांग की गई है। परिवर्तन की दर राज्य विभाग द्वारा अधिसूचित की गई। विनिमय दर के अनुसार होगी जो कि आयात लाइसेंस जारी करने की तारीख अथवा आयात लाइसेंस में उल्लिखित तारीख को विद्यमान दर के हिसाब से होगी।

8. यदि संविदा दस्तावेज/सालाई आर्बर् प्राधिकार पत्र आयात लाइसेंस और बैंक गारंटी जारी करने का अनुरोध, जहाँ कहीं आवश्यक हो ठीक क्रम में पाए जाएं तो आर्थिक कार्य विभाग संविदा की एक प्रति आस्ट्रियाई राष्ट्रीय बैंक को प्राधिकार (अनुबन्ध-3 में दिये गये फार्मेट में) के साथ भेजेगा जिसमें संभरक को पोत परिवहन दस्तावेजों के लिये भुगतान हेतु प्राधिकृत किया जायेगा।

9. यदि संभरक को पोत परिवहन/भुगतान, प्राधिकार पत्र की वैध अवधि के अन्तर पूरा नहीं किया जाता है तो आयातक वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (ई ई सी-IV अनुभाग) से प्राधिकार पत्र की अवधि समाप्त होने से पहले प्राधिकार पत्र की अवधि में उपयुक्त वृद्धि के लिए सम्पर्क कर सकता है। ऐसे अनुरोध के साथ पुनर्वैध आयात लाइसेंस की

फोटोस्टेट प्रति, यदि अवधि बढ़ाने की मांग मूल आयात लाइसेंस की वैध अवधि से प्राप्ति है, और बैंक से एक पत्र जिसमें जहाँ आवश्यक हो, बैंक गारंटी की वैधता बढ़ाने का पत्र संलग्न होना चाहिए।

10. यदि प्राधिकार की वैधता अवधि को बढ़ाने का अनुरोध प्राधिकार पत्र की वैध तारीख से छः महीने की अवधि के अन्तर प्राप्त नहीं होता है तो प्राधिकार पत्र में अनुपयुक्त बकाया राशि को हवाले किया गया माना जाएगा और प्राधिकार पत्र स्वतः समाप्त हुआ माना जाएगा।

11. मूल परकाम्य पोत और अन्य दस्तावेज निरपवाद तौर पर आस्ट्रियाई राष्ट्रीय बैंक द्वारा भारत में सम्बन्धित आयातक के बैंक को भेजे आये जो इन दस्तावेजों के परकाम्य सेट सम्बन्धित आयातक को यह सुनिश्चित कर लेने के बाद कि आयातक ने निम्नलिखित को जमा करा दिया है, रिबीज करेगा :—

(1) मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात कार्यालय की सार्वजनिक सूचना सं. 113-आई टी सी (पी एन)/88-91 दिनांक 6-4-89 में यथानिर्धारित तरीके से परिचायित की जाने वाली मुद्रा की मौजूदा मिनी-जुली दर से आस्ट्रियाई संभरक को आस्ट्रियाई शिपिंग में भुगतान किये गये रुपये के समकक्ष अथवा सरकार द्वारा मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय की समय-समय पर सार्वजनिक सूचनाओं के द्वारा अधिसूचित किया जाए अथवा भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से अधिसूचित हो।

(2) उपर्युक्त मब सं. 1 (i) द्वारा जमा की जाने वाली अपेक्षित धनराशि पर समय-समय पर निर्धारित दरों पर या सार्वजनिक सूचना सं. 31 और 35 आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक क्रमशः 10-8-1983 और दिनांक 26-8-1983 की शर्तों के अनुसार पहले 30 दिनों के लिए प्रति वर्ष 12% की दर से और 30 दिन से अधिक की अवधि के लिए 18% वार्षिक की दर से ब्याज परिगणित किया जाएगा। इसे भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली अथवा भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में आयातक द्वारा रुपये के समकक्ष वास्तविक जमा की तारीख (इसमें दोनों दिन शामिल हैं) को आस्ट्रियाई राष्ट्रीय बैंक द्वारा संभरक को किए गए वास्तविक भुगतान की तारीख से गिना जाएगा।

(3) राज्य सरकार के विभागों और केन्द्रीय सरकार के विभागों द्वारा आस्ट्रियाई पूंजीगत माल ऋण, 1991 के अंतर्गत किये गये आयात के लिए ब्याज के भुगतान के उपबन्ध लागू नहीं हैं।

12. सम्बन्धित भारतीय बैंक को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेवारी होगी कि आयातक को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाने में देय धनराशि ठीक तरह जमा करा दी गई है। आयातक भी यह सुनिश्चित करेगा कि अपने बैंकों से दस्तावेज लेने से पहले देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक तरह जमा करा दी गई है।

13. आयातक (सरकारी क्षेत्र के उपक्रम और केन्द्रीय/राज्य सरकार के विभाग सहित) को विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत डीलरों के माध्यम से ही अपेक्षित रुपया जमा कराना चाहिए और सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई टीसी (पी एन)/68 दिनांक 30-8-1969 में यथाअपेक्षित उनसे लाइसेंस की विनिमय नियंत्रण प्रति भी भिजवा दी जानी चाहिए। सम्बन्धित बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को अपेक्षित "एस" फार्म भेजेगा।

14. पैरा-11 में निर्दिष्ट धनराशि केवल भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, नई दिल्ली अथवा भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में केन्द्रीय सरकार के खाते में निम्न लेखा शीर्ष में जमा की जाए :—

"ए—डिपॉजिट्स एण्ड एक्वालिटी—डिपॉजिट्स टाट बियरिंग इन्स्ट्रुमेंट्स—8445—मिबिल डिपॉजिट्स—डिपॉजिट्स फार परचेजिज एटसेट्टा आर्बाट—परचेजिज एटसेट्टा ग्रन्डर कैपिटल गुड्स क्रेडिट, 1991"

सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई.टी.सी. (पी एन)/74, दिनांक 1-5-1974 में निर्धारित चालान में धन राशि जमा कराई जाए।

15. भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली अथवा भारतीय स्टेट बैंक तीस हजारी दिल्ली के रसोयी बालान की प्रति अथवा भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी दिल्ली के नाम डिमाण्ड ड्राफ्ट भेजने के सम्बन्ध में सूचना आयातक के बैंक द्वारा सहायता लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग वित्त मंत्रालय, जनपथ भवन, पांचवा तल, बी विंग, नई दिल्ली - 1 को भेजी जाए। इसके साथ एक अंग्रेजी पत्र भेजा जाए जिसमें आस्ट्रियाई राष्ट्रीय बैंक से प्राप्त सूचना टिप्पणी, साक्ष्यपत्र सं., विदेशी मुद्रा का राशि जिसमें वषड़ा जमा किया गया है, आस्ट्रियाई संस्करण का भुगतान की तारीख और ब्याज की रकम का उल्लेख किया गया हो।

16. लाइसेंस के अन्तर्गत आयात पुरा करने और सरकारी खाते में आयातक के बैंकों द्वारा सभी देय धनराशि जमा कराये जाने के बाद, प्राप्त हुए आयात और जमा किए गए रुपये के बंधों सहायता लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, जनपथ भवन, पांचवा तल बी-विंग, नई दिल्ली-110001 को भेजे जाएं।

17. यह बात ध्यान में रखी जाए कि भारत सरकार किसी भी विवाद की जिम्मेदारी, यदि कोई हो, जो लाइसेंस धारों और संस्करण के बीच उत्पन्न हो सकते हैं, नहीं लेगी। भुगतान देने से पूर्व संस्करण द्वारा पूरी की जाने वाली शर्त आयातक द्वारा स्पष्ट तौर पर बता दी जाना चाहिए। यदि आवश्यक हो तो विवादों के निपटान से सम्बन्धित उपबन्धों की सविदा में ही शामिल कर लिया जाए।

18. लाइसेंसधारी आयात लाइसेंस से सम्बन्धित अथवा इसमें उत्पन्न किसी अथवा सभी मामलों के सम्बन्ध में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये किन्हीं निर्देशों, अनुबंधों अथवा आदेशों का पालन करेगा और आस्ट्रियाई पूंजीगत ऋण क्रेडिट, 1991 के अन्तर्गत सभी वचन-बद्धताओं का निराकरण।

19. उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिरिक्त का उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

उपाबंध-I

(तीन प्रतियों में)

आस्ट्रियाई पूंजीगत ऋण, 1991 के अंतर्गत प्राधिकार पत्र प्रदान करने के लिए प्रार्थना पत्र।

- (क) भारतीय आयातक और या परियोजना प्राधिकारी, जहां आवश्यक हो, का नाम और पता।
- (ख) संस्करण का नाम और पता।
- (ग) (1) आयात लाइसेंस की सं. और तारीख।
(2) मूल्य।
(3) आयात किए जाने वाले माल का संक्षिप्त विवरण
- (घ) (1) भारत में आयातक का बैंक जो निजी क्षेत्र के आयातों के मामले में वह बैंक होगा जिसने बैंक गारंटी दी हो।
(2) भारत में आयातक का बैंक जो आयातक को पोत-परिवहन दस्तावेज रिलीज करने के पहले भारतीय खाते में रुपया जमा करने के लिए जिम्मेदार होगा।
- (ङ) आस्ट्रियाई शिपिंग में सविदा आदेश का मूल्य।
- (च) सुपुर्वगी पूरा होने की संभावित तारीख।
- (छ) भुगतान की शर्तें तथा सभावित तारीख जब सविदा के अंतर्गत भुगतान किया जाना हो।
- (ज) क्या आंशिक पोतलदान की अनुमति है का निवेदन है।
- (झ) पोत-परिवहन दस्तावेजों की धिस्त सूची जैसे लदान बिल, बीजक, अङ्गम प्रमाण पत्र आदि जिन्हें आस्ट्रियाई राष्ट्रीय बैंक भुगतान से पहले

संस्करणों से अपेक्षित प्रत्येक वस्तावेज की प्रतियों की संख्या के साथ ही साथ मांग सकता है।

- (झ) सविदा में शामिल भारतीय अधिकारों का कमोशन, यदि कोई हो (वास्तविक राशि का उल्लेख करें) जिसे प्राधिकार पत्र जारी करने समय सविदा मूल्य में से घटा दिया जाएगा आयातकों द्वारा ऐसे कमोशन का भुगतान भारतीय रुपए या सीधे अधिकृतियों को करना होगा।
- (ट) मूल्य जिनके लिए प्राधिकार पत्र प्रेषित है।
- (ठ) बैंक गारंटी की संख्या, तारीख तथा मूल्य अवधि जब तक वह वैध हो, का उल्लेख करें (केवल निजी क्षेत्र के आयातों के मामले में)
- (ड) विशेष अनुदेश, यदि कोई हो।

उपाबंध-II

गारंटी बंध-पत्र

(आस्ट्रियाई पूंजीगत ऋण, 1991 के अंतर्गत माल ऋण, 1991 के अंतर्गत माल के आयात के लिए प्रक्रिया के अधीन बैंक द्वारा प्रस्तुत किया जाए)

सेवा में

भारत के राष्ट्रपति,

आस्ट्रियाई पूंजीगत माल ऋण, 1991 की शर्तों और निर्बंधनों के अंतर्गत मैं (इसके बाद आयातक ऋण जाएगा) द्वारा के आयात के लिए आस्ट्रियाई शिपिंगों में भुगतान की व्यवस्था करने के लिए सहमति देते हुए भारत के राष्ट्रपति जिसे इसकी जाव सरकार कहा जाएगा) को तथा उक्त करार के मद्दे आयातक के पक्ष में को जारी किए गए लाइसेंस सं. के अनुसरण में हम (बैंक) आयातक के अनुरोध पर एतद्वारा यह वचन देते हैं कि हम आस्ट्रियाई राष्ट्रीय बैंक द्वारा की गई प्रभावगियों की राशि और मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचना सं. 8--आईटीसी (पीएन)/78 दिनांक 17-01-1978 द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार या भारतीय रिजर्व बैंक नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी दिल्ली में सरकारी लेखे के नामे भुगतान संज्ञापन की प्राप्ति के बस दिनों के भीतर इस मामले में समय-समय पर सरकार द्वारा की गई अधिसूचना के अनुसार बहित तरीके से समाकलित विनिमय की चाबु मिश्रित दर पर बैंक को देय परिवर्तनीय रियायत तथा ढाक प्रभार जमा करने की व्यवस्था करेंगे जिन्हें उक्त क्रेडिट के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा यथा-विनिर्दिष्ट उपर्युक्त लेखा शीर्षों के मद्दे सार्वजनिक सूचना सं. 31--आईटीसी (पीएन)/83 दिनांक 10-8-1983 तथा सं. 35--आईटीसी (पीएन)/83 दिनांक 25-8-83 में निर्धारित दरों पर अर्थात् प्रथम 30 दिनों के लिए 12% और जमा की वास्तविक तारीख से लेकर विदेशी संस्करण को भुगतान की तारीख से अतिरिक्त अवधि (दोनों दिनों को मिलाकर) तक 18% की दर से ब्याज सहित जमा किया जाएगा।

2. हम (बैंक) यह भी वचन देते हैं कि सरकार को ऐसे स्थान पर या ऐसे तरीके से जिसे सरकार समय-समय पर निर्देशित करे आयातक द्वारा समय-समय पर भुगतान की जाने वाली तथा देय किसी ऐंगी धनराशि जो से अधिक न हो या उसका कोई भाग जो आयात द्वारा उस समय भुगतान करने योग्य और देय हो, संस्करण को भुगतान की तारीख से सरकारी खाते के बराबर रुपया जमा करने की वास्तविक तारीख तक की अधिक अवधि (उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना देखें) के लिए प्रति वर्ष 12% की दर से उस पर ब्याज सहित भुगतान करने में कोई चूक होने पर हम उसकी क्षतिपूर्ति करेंगे और सरकार को सुरक्षित रखेंगे। आयातक द्वारा या उसकी ओर से उक्त भुगतान में तथा हमारे (बैंक) द्वारा सरकार

को भुगतान की जाने वाली राशि के संबंध में कोई चूक होने की स्थिति में सरकार का निर्णय अन्तिम होगा और उससे हम (बैंक) श्रावद्ध रहेंगे।

3. हम (बैंक) इससे भी सहमत हैं कि उपर्युक्त पैरा 1 में उल्लिखित विनियम की मिश्रित वर में परिवर्तन होने के फलस्वरूप सचिवा के अंतर्गत आयात के मूल्य में वृद्धि होने या पूरी न हुई सप्लायियों के मूल्य में वृद्धि होने की स्थिति में हम गारंटी बंधपत्र की राशि को उस तारीख की स्थिति के अनुसार समायोजित किया जाएगा जब इस परिवर्तन के अनुपात में हममें डेर-फेर हो।

4. हम (बैंक) इससे भी सहमत हैं कि यहाँ पर दी गई गारंटी उस अवधि के दौरान पूरी तरह से लागू रहेगी जो उक्त करार/डिक्ले के कार्य-निष्पादन के लिए होगी और यह उस समय तक लागू रहेगी जब तक कि इस गारंटी के अंतर्गत या वास्तु में सरकार को वे सभी राशिओं का पूर्णतया भुगतान न हो गया हो और इसके दावे पूरे या पुष्ट न हो गए हों।

5. यहाँ दी गई गारंटी आयातक या (बैंक) के विधान में होने वाले किसी परिवर्तन से प्रभावी नहीं होगी तथा सरकार ऐसी किसी घनराशि या भ्रदायगी को जिसे एतद्वारा सुरक्षित किया जाता हो किसी समय और समय-समय पर स्वयं निरंतर के लिए गारंटी को प्रभावित किए बिना ही पूर्ण स्वतंत्र होगी और (बैंक) पूर्वोक्त मामलों या आयातक को उस समय बताए गए कारणों या सरकार द्वारा उसके किसी अनुग्रह पर कोई अन्य प्रमाण, कार्य या चूक के संदर्भ में सरकार के किसी स्वेच्छापूर्ण कार्य से आयातक को या किसी मामले या ऐसी कोई भी वस्तु जो कानून के अंतर्गत प्रतिभूतियों से संबंधित हो, इस उपबंध को छोड़कर अपने दायित्व से मुक्त नहीं रखा जाएगा जिसका प्रभाव (बैंक) के ऐसे दायित्व पर पड़ेगा।

6. हम (बैंक) सरकार की लिखित पूर्व-सहमति को छोड़कर इसकी चालू अवधि में इस गारंटी को संशुद्ध न करने का वचन देते हैं।

7. हम (बैंक) एतद्वारा सार्वजनिक सूचना म. 113-आईटीसी (पीएन) 88-91, दिनांक 6-1-89 तथा इसके बाद समय-समय पर जारी होने वाले ऐसी अन्य सार्वजनिक सूचनाओं के अनुसार सभी अनिवार्य घनराशि जमा करने का वचन देते हैं।

8. इसके अंतर्गत हमारे दायित्व तथा डाक गारंटी (बैंक) अपने (ध्याज तथा कमीशन तथा डाक प्रभार यदि कोई हो, और कि गारंटीप्राप्त राशि के प्रतिपात से अधिक हो, सहित) तक सीमित है और यह (महीना) 19 के दिन तक लागू रहेगी। जब तक इस तारीख के 18 महीने के भीतर इस गारंटी के अंतर्गत लिखित में दावे नहीं किए जाएंगे और जब तक इन दावों को लागू करने के लिए कोई कार्रवाई अन्य अठारह महीनों अवधि तक नहीं की जाती है उसके बाद इस गारंटी के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी अधिकार समाप्त हो जाएंगे और उसके अंतर्गत सभी दायित्वों से हम मुक्त रहेंगे।

(बैंक) के लिए विनांक दिन द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा के लिए स्वीकृत

नाम और पदनाम
हस्ताक्षर

* इस तारीख का निर्धारण उस तारीख में एक माह आँडकर किया जाएगा और जब तक कि संश्रकों को सभी भुगतान कर दिए जाने का संभावना हो।

टिप्पणी : --(1) स्टाम्प पेपर का मूल्य जिस पर भारतीय स्टाम्प अधिनियम की धारा 31 के अंतर्गत हम गारंटी को स्टाम्प समाहर्ता द्वारा निर्णीत किया जाना हो।

(2) बैंक गारंटी की राशि का निर्धारण करने के लिए अपनाया जाने वाला विनियम वर वही होता चाहिए जैसा कि आयात लाइसेंस में दिया हो।

अनुबन्ध-III

सख्या

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक

प्रबन्धक

आस्ट्रियन नेशनल बैंक,

आटो-वेगनर प्लाट्स 3,

वियना-IX (आस्ट्रिया)

महोदय,

आस्ट्रियन पूजीगत माल ऋण 1991 प्राधिकार पत्र सख्या-----

हम -----के संबंध में-----आस्ट्रियाई शिलिंग्स के लिए मैसर्स-----द्वारा मैसर्स-----को दिए गए आर्डर संख्या-----दिनांक----- (प्रतिनिधि सलग्न है) की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं। हम एतद्वारा आपकी मैसर्स-----को अधिक से अधिक आस्ट्रियन शिलिंग्स-----का भुगतान संलग्न विवरणों में उल्लिखित शर्तों के अनुसार करने के लिए प्राधिकृत करते हैं। अनुरोध है कि मैसर्स-----द्वारा प्रस्तुत किए गए बीजकों, जहाज-रानी और अन्य वस्तुओं को----- (बैंक का नाम) को सीधे भेज दें।

2. उपर्युक्त पैराग्राफ 1 में संदर्भित राशि का पुनः भुगतान भारत सरकार और आस्ट्रियन संघीय सरकार के बीच 20 दिसम्बर, 1991 को हुए करार के अनुच्छेद 2 और 3 निर्धारित शर्तों के अनुसार भारत सरकार द्वारा किया जाएगा।

3. कृपया इस प्राधिकार पत्र के मद्दे किए गए भुगतान का व्यौरा भारत सरकार वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नियंत्रक सहायता लेखा और लेखा परीक्षा, जनपथ भवन, 5वीं मजिल, बी बिम, नई दिल्ली को भेजे अनुरोध साथ जहाजरानी और अन्य निर्धारित वस्तुओं की एक प्रति के साथ भुगतान को नामे डालने की सूचना भी दें।

4. यह प्राधिकार -----वर्ष के -----दिन तक वैध रहेगा।

भवदीय,

अथर सचिव, भारत सरकार

प्रतिनिधि सूचना और आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रेषित :-

1. मैसर्स----- (बैंक) संदर्भित आयात, आयात लाइसेंस सख्या-----दिनांक-----रूप-----के अंतर्गत है।

यह आयात आपकी गारंटी संख्या-----दिनांक-----रूप-----के संदर्भ में भी है। यह प्राधिकार पत्र आस्ट्रियन पूजीगत माल ऋण 1991 के अंतर्गत आयात को शांति करने वाली लाइसेंसिंग शर्तों के तहत जारी किया जाता है। कृपया उन लाइसेंसिंग शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं/आदेशों आदि को देखें और आयात/विदेशी भुगतान के संबंध में उपर्युक्त कार्रवाई करें। इस संबंध में, निम्नलिखित आवश्यक बातों पर बिशिष्ट रूप से ध्यान आकर्षित किया जाता है :-

उपबन्ध-IV

- (1) जब भी संभरक को भुगतान किया जाए, तो कृपया इसे सरकार के लेख में, उस भुगतान के तुरन्तर पत्र में (संभरक को भुगतान की तारीख से छप्प दिवस के भीतर) अन्तिम दर के अनुसार तैयार करें), तथा समसंगम पर निर्धारित दरों पर व्यय सहित जमा करने की प्रार्थना करें। सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83 दिनांक 10-8-83 और स.

35-आई टी सी (पी एन)/83 दिनांक 26-8-83 में निर्धारित व्याज की समान दरें संभरक को भुगतान को आरोप से प्रत्यक्ष 30 दिनों के लिए, 12 प्रतिशत हैं, और शेष छप्प दिनों के लिए 8 प्रतिशत है जिसमें जमा करने की तारीख को शामिल है।

- (2) इस प्राधिकारी पत्र के तहत किए गए प्रत्येक विदेशी भुगतान के लिए कृपया भुगतान या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली अथवा भारतीय स्टेट बैंक, सींग हंगरी दिल्ली को किया जाता है जिसके साथ सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74 दिनांक 31-05-74 में निर्धारित रूप में एक खल में चालान प्रयोग में लाया जाए।

- (3) संभरक को किए गए प्रत्येक भुगतान के लिए, मूल अस्सावेज (आणिज्यिक वोजक, बैंक गारंटियाँ, निर्यात गारंटियाँ, पोस्म-दान दस्तावेजों के ले-वेन समझौते गेट आदि) आयातक को केवल तब दिए जाएं जबकि सरकार को देय अथवा उपर्युक्त राशियों का भुगतान कर दिया गया हो।

- (4) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी के रूप में आपके बैंक के कर्तव्य और बायत्व भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न ए, डी, एच, एच, एच में उल्लिखित हैं। इस संवेप में विनिर्दिष्ट सदस्यों के लिए परिपक्व सं. 22 दिनांक 18-6-1977 को और ध्यान आकर्षित किया जाता है।

- (5) कृपया इस पत्र की पावनी अग्रोहस्ताक्षरी तथा नियंत्रक, सहायता लेखा और लेखा परीक्षा, वित्त संचालन, आर्थिक कार्य विभाग, जनपथ, 5वीं मंजिल, बी विंग, नई दिल्ली-110001 को भेजें।

2. संसरी-----। यह उनका अविदित/पत्र संख्या-----दिनांक-----और संविदा/का प्रदेश संख्या-----के संदर्भ में है। उनका ध्यान अविनिर्दिष्ट रूप से ऊपर (1) में उल्लिखित अनुदेशों की ओर आकर्षित किया जाता है। यह कृपया नोट कर लें कि आयातक पर इस बात की सुनिश्चित करने का उत्तरदायित्व है कि सरकार की बकाया धनराशि सही, पूर्णतया और सीधे से चुकाई गई है।

3. नियंत्रक, सहायता लेखा और लेखा परीक्षा, वित्त संचालन, आर्थिक कार्य विभाग, जनपथ भवन, 5वीं मंजिल, बी विंग, नई दिल्ली-110001 (बैंक) द्वारा जारी मूल बैंक गारंटी राख्या-----दिनांक-----रूप-----के लिए, आयात नाइसेम संख्या-----दिनांक-----रूप-----की एक प्रति* (सहायता) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा निम्नलिखित सजरी संख्या-----दिनांक-----रूप-----की प्रति और उका/कय आदेश संख्या-----का एक सेट इस पत्र के साथ संलग्न है।

4. -----

5. -----

प्रत्येक प्राधिकार पत्र के तहत आयाती/भुगतानों के पूरा हो जाने पर नियंत्रक सहायता, लेखा और लेखा परीक्षा, वित्त संचालन (आर्थिक कार्य विभाग) को दी जावाये होगी।

1. आयातक/आयसेमधारी का नाम और पूरा पता
2. आयात नाइसेम सं., तारीख और मूल्य
3. दी गई गारंटी की संख्या, तारीख और मूल्य (निजी क्षेत्र के आयात के मामले में)

4. वित्त संचालन द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र के विवरण

- 5 (क) प्राधिकार पत्र की संख्या और तारीख

- (ख) प्राधिकार पत्र की राशि (आस्ट्रियन गिलिंग में)

6. किए गए भुगतान का विवरण और जमा किए गए गए की धनराशि।

- (क) संभरक (संभरक) का नाम

- (ख) ऊपर (क) पर उल्लिखित संभरक (संभरक) का आस्थितिक रूप में किए गए भुगतान की आस्ट्रियन गिलिंग का धनराशि

- (ग) आस्ट्रियन नेशनल बैंक द्वारा संभरक के लिए किए गए भुगतान की तारीख

- (घ) कृपया निम्न की धनराशि --

- (1) संभरक को आस्ट्रियन गिलिंग रूप में-----की दर से किए गए भुगतान के आस्ट्रियन गिलिंग धनराशि का तुरन्तर रूप-----

- (2) भुगतान किया गया व्याज

- (3) -----से-----तक की अवधि जिसके लिए आयात की दिशा में लिया गया है।

- (1) शुद्ध किया की गई धनराशि

- (5) धन जमा करने की तारीख और स्थान।

- (6) खजाना चालान की संख्या और तारीख (संभरक का जाना है)। यदि खजाना चालान पहले ही भेजा जा चुका हो तो यह पत्र संख्या और तारीख जिसके साथ इसे भेजा गया था, उसका उल्लेख करें।

- (7) यदि ऊपर उल्लिखित (प)(1) में कृपया डिपॉजिट डिमाण्ड ड्राफ्ट से किया गया हो तो उगकी संख्या, तारीख और धनराशि तथा भारतीय आयातक के पक्ष का व्यय जिसके साथ इसे भेजा गया था।

7. प्रत्येक प्राधिकार के सहे उपयोग में लाई गई धनराशि और शेष उपयोग में न लाई गई बकाया धनराशि (आस्ट्रियन गिलिंग में)।

8. एक प्रमाण पत्र जिसमें यह बताया गया हो कि ऊपर 6 में निर्दिष्ट बकाया धनराशि को उपयोग में नहीं लाया गया है और इसके लिए कोई भीनाशन नहीं किया गया है और इसे संपादन समझा जाए।

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

अवर सचिव, भारत सरकार

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 282-ITC(PN)/90-93

New Delhi, the 20th March, 1992

Subject:—Licensing conditions for licensing Private Sector and Public Sector imports under the Austrian Capital Goods Credit, 1991 of AST 120,000,000 regarding.

File No. IPC/23(87)/90-93.—The terms and conditions for licensing Private Sector and Public Sector imports under the Austrian Capital Goods Credit, 1991 for AST 120,000,000, as signed between Government of India and Government of Austria on 20-12-91, are contained in the Appendix to this Public Notice and are notified for information.

D. R. MEHTA, Chief Controller of Imports and Exports.

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 282-ITC(PN)/90-93, dated 20-3-92

Conditions for licensing Private Sector and Public Sector Imports under the Austrian Capital Goods Credit, 1991.

1. The Licence will be issued with a validity period of twelve months but firm order on CIF/C&F basis must be placed on the Austrian suppliers and copies of the same furnished to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi within four months from the date of issue of the Import Licence. The terms firm order means a purchase order placed by the Indian Licensee on the Austrian supplier duly supported by the confirmation from the later or a purchase contract duly signed by both the Indian importer and the foreign supplier. If firm order cannot be finalised within the time limit of four month, the Licensee should submit to the Chief Controller of Imports and Exports (CCI&E) or other licensing authorities, as the case may be, a proposal seeking an extension in ordering period along with justification and explanation as to why ordering could not be completed within the initial validity period. Such requests for extension on the ordering period will be considered on merits in each case by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 2 months. If, however, extension is sought beyond 6 (six) months from the date of issue of Import Licence such a proposal should invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (EEC-IV Section) of Ministry of Finance, New Delhi. The Licence codes "S" and "AA" should be indicated in the first and second suffix after the licence number. The correct licence code should be used in all the shipping documents as well as in the "S" form required to be furnished to the Indian Bank at the time of rupee deposits.

2. Only capital goods of Austrian origin are eligible for being financed under this Credit.

3. The Licence will not be valid for remittance from India. Payments to the Austrian suppliers can be made only in accordance with the procedure set forth in the paragraphs 6-10 below.

4. The contract of supply between the Indian importer and the Austrian supplier should provide for the import being financed out of the Austrian Capital Goods Credit, 1991 in accordance with the procedure set forth in these licensing conditions, and should also be made subject to approval by the Government of India. Importers should take special care to inform the suppliers about this condition and also incorporate a clause to this effect in the supply contract. Moreover, approved orders should not be cancelled without prior concurrence of the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

5. The value of the contract should be expressed in Austrian Shillings only. The contract should normally provide for cash payment out of the Austrian Capital Goods Credit, 1991 on presentation of shipping documents. For any customary performance guarantee, the suppliers could be asked to furnish a bank guarantee.

6. Immediately after the contract is concluded, the importer should furnish 5 (five) photostat or certified copies of the contract/supply order accompanied by two photostat copies of the Import Licence if any or foreign exchange sanction to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (EEC-IV Section). The importer is also required to furnish the information as per details given in Annexure-I (in triplicate).

7. In the case of contracts concluded by companies and institutions other than Public Sector Undertakings and Government Departments for imports from Austria the importer should furnish a bank guarantee from an approved Scheduled bank, in the form prescribed (Annexure-II) duly adjudicated by the Collector of Stamps. The Bank Guarantee should be for an amount representing the rupee equivalent of the amount of contract for which Letter of Authority is sought plus interest and other charges. The rate of conversion shall be at the exchange rate notified by the Department of Revenue as prevailing on the date of issue of Import Licence or that indicated on the Import Licence.

8. If the contract documents/supply order, the request for issue of Letter of Authorisation, the Import Licence and bank guarantee, where necessary, are found to be in order, the Department of Economic Affairs, will forward a copy of the contract to the Austrian National Bank together with a Letter of Authority (in the format given in Annexure-III) authorising payment to the supplier, against the shipping documents.

9. In case the shipment/payment to the supplier are not completed within the validity period of the Letter of Authority, the importer should approach, the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (EEC-IV Section) for suitable extension of the Letter of Authority well before the expiry period of the Letter of Authority. Such a request should be accompanied by a photostat copy of the revalidated Import Licence, if the period of extension sought for is beyond the validity of the original Import Licence, and a letter from the Bank extending the validity of Bank Guarantee, where necessary.

10. If the request for extension in the period of validity of the Letter of Authority is not received within a period of six months from the validity date of the Letter of Authority, the unutilized balance in the Letter of Authority will be deemed to have been surrendered and the Letter of Authority will stand lapsed automatically.

11. The original negotiable shipping and other documents will invariably be forwarded by the Austrian National Bank to the concerned importer's bank in India who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the importer has deposited:—

- (i) the rupee equivalent of the payments made to the Austrian supplier in Austrian Shillings at the prevailing composite rate of exchange to be calculated in the manner as prescribed in Chief Controller of Imports & Exports Public Notice No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6th April, 1989 or as may be notified by the Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.
- (ii) interest calculated at the rate of 12 per cent per annum for the first 30 days and at 18 per cent for the period in excess of 30 days in terms of Public Notice No. 31 & 35-ITC(PN)/83 dated 10th August, 1983 and 26th August, 1983 respectively or at the rates as may be notified from time to time on the amount required to be deposited vide item No. (i) above, reckoned from the date of actual payment to the supplier by the Austrian National Bank to the date of actual deposit (both days inclusive) of the rupee equivalent by the importer in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or Reserve Bank of India, New Delhi.
- (iii) The provisions for payment of interest are not applicable to imports made under the Austrian Capital Goods Credit, 1991 by State Government Departments and Central Government Departments.

12. It shall be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importer. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers.

13. The importer (including Public Sector Undertakings and Departments of the Central/State Government) should make the requisite rupee deposit only through Authorised Dealers in Foreign Exchange and also get the Exchange Control Copy of the licence endorsed by them as required in Public Notice No. 184-ITC(PN)/68 dated 30th August, 1989. The requisite "S" form will be sent by the concerned bank to the Reserve Bank of India, Bombay.

14. The moneys specified in para 11 should be deposited only with the State Bank of India, Tis Hazari, New Delhi or Reserve Bank of India, New Delhi to the credit of the Central Government account under the Head of Account:—

"A—Deposits and Advances—Deposit not bearing interest—8443—Civil Deposits—Deposits for purchases etc. abroad—purchases etc. under Austrian Capital Goods Credit, 1991."

The deposit should be made in the challan form prescribed in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31st May, 1974.

15. One copy of the receipt challan from the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or intimation regarding the submission of Demand Draft to the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi should be sent by importer's Bank to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhawan, 5th Floor, B-Wing, New Delhi-1 along with a forwarding letter giving full details of the advice Notes received from the Austrian National Bank, Letter of Authority No., amount of foreign currency to which rupee deposit is made, date of payment to the Austrian supplier and amount of interest.

16. After the imports under a licence are completed and the importer's bankers have deposited into Government Account all the amount due, details of the import received and the rupee deposits made should be furnished to the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Janpath Bhawan, 5th Floor, B-Wing, New Delhi-110001.

17. It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the supplier, the conditions to be fulfilled by the supplier before the payment could be effected should be spelt out by the importer. If necessary, provisions dealing with the settlement of disputes may be included in the contract itself.

18. The licensee shall promptly comply with any directions, instructions, or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Austrian Capital Goods Credit, 1991.

19. Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

ANNEXURE I

(In triplicate)

Application for the grant of Letter of Authority under the Austrian Capital Goods Credit, 1991

(a) Name and address of the Indian Importer and/or Project Authority where necessary.

(b) Name and address of the supplier.

(c) (i) No. and date of the import licence.

(ii) Value.

(iii) Short description of goods to be imported.

(d)(i) The Importer's Bank in India (which will be the Bank that has furnished the Bank Guarantee in case of Private Sector Imports).

(ii) The Importer's Bank in India (which will be responsible to make rupee deposits in Government account before releasing shipping documents to the importer).

(e) Value of the contract order in Austrian Shillings.

(f) Expected date of completion of deliveries.

(g) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.

(h) Whether partial shipments are permitted/prohibited.

(i) Detailed list of shipping documents, like Bill of Lading, Invoices, Certificates of Origin, etc. which the Austrian National Bank should demand from the suppliers before making payment, together with the number of copies of each documents required.

(j) Indian Agent's Commission, if any, included in the contract (exact amount to be indicated), which will have to be deducted from the contract value while issuing a Letter of Authority. Such commission will be payable by the importers direct to the agents in Indian Rupees.

(k) Value for which the Letter of Authority is required.

(l) Number, date and value of Bank Guarantee, indicating the period upto which it is valid (in case of private sector imports only).

(m) Special Instructions, if any.....

ANNEXURE II GUARANTEE BOND

(To be furnished by Banks under the procedure for import of goods under the Austrian Capital Goods Credit, 1991)

To

The President of India,

In consideration of the President of India (hereinafter called 'the Government') having agreed to arrange for payment in Austrian Schillings for the import of by (hereinafter called the importer) under the terms and conditions of Austrian Capital Goods Credit, 1991 and in pursuance of Import Licence No. issued on in favour of the importer against the above Agreement, we (Bank) at the request of the importer hereby undertake to arrange to deposit the amounts of the disbursements made by the Austrian National Bank and commission and postal charges payable to the Bank converted at the prevailing composite rate of exchange calculated as per instructions issued in CCI&E's Public Notice No. 8-ITC (PN)/76 dated 17-1-1976 or as notified by the Government in the matter from time to time within ten days of the receipt of advice of payment for credit to the Government account with the Reserve Bank of India, New Delhi or the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi in the manner and against appropriate Heads of Accounts as indicated by Government of India under the said Credit together with interest at the rates prescribed in the Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-1983 and No. 35-ITC (PN)/85 dated 25-08-1983, i.e., at the rate of 12 per cent for the first 30 days and 18 per cent for the period in excess of from the date of payment to foreign supplier to the date of actual deposits (both days inclusive).

2. We, the (Bank) also undertake to indemnify and keep indemnified the Government against any default in payment by the importer of any sum that may be due and payable from time to time by the importer to the Government at such place and in such manner as the Government may from time to time direct such sum not exceeding Rs. or any part thereof for the time being due and payable by the importer together with

interest thereon at the rate of 12% per annum for the period in excess thereof (vide Public Notice No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-1989) accrued from the date of payment to the supplier to the date of actual deposit of the rupee equivalent to Government account. The decision of the Government as to any default in the said payment by the importer or on his part and in regard to the amount payable to the Government by us (Bank), shall be final and binding on us (Bank).

3. We, (Bank) further agree that in case of increase in the value of import or increase in the value of unfulfilled deliveries under the contract as a result of change in the composite rate of exchange mentioned in para 1 above, the amount of this guarantee bond will be adjusted as on the date when the change takes place in proportion to this change.

4. We, (Bank) further agree that the guarantee herein contained shall remain in full force and effect during period that would be taken for the performance of the said Agreement/Contract and that it shall continue to be enforceable till all the dues to the Government under or by virtue of this guarantee have been fully paid and its claims satisfied or discharged.

5. The Guarantee herein contained shall not be affected by any change in the constitution of the importer or the (Bank) and the Government shall have the fullest liberty without effecting the guarantee to postpone for any time and from time to time any of the amounts the payment whereof is intended to be hereby secured and the (Bank), shall not be released from its liability under the guarantee by any exercises by the Government of the liberty with reference to the matters aforesaid or by reasons of time being given to the importer or any other forbearance, act or omission on the part of the Government of any indulgence by the Government, to the importer or by any matter or thing whatsoever which under the law relating to statutes shall, but for this provision, have the effect of so releasing the (Bank) its such liability.

6. We, (Bank) undertake not to revoke this guarantee during its currency except with previous consent of the Government in writing.

7. We, (Bank) hereby undertake to make additional deposits in terms of Public Notice No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-1989 and such other Public Notices that may be issued from time to time hereafter.

8. Our liability under this and postal guarantee is restricted to Rs. (plus interest and commission and postal charges, if any not expected to exceed on per cent of the guaranteed amount) and this guarantee shall remain in force till the day* of (month), 19 Unless claims under this guarantee are made in writing within 18 months of this date and unless a suit or action to enforce these claims is commenced within another eighteen months thereafter, i.e. upto all Government's rights under this guarantee shall be forfeited and we shall be relieved and discharged from all liability thereunder.

Dated, the day of for (Bank)

Accepted for and on behalf of the President of India by
Name and Designation
Signature

*This date shall be arrived at by adding one month to the date by which all payments to the suppliers are expected to be finalised.

NOTE :

(i) The value of the stamped paper on which this guarantee is to be adjudicated by the Collector of Stamps, under Section 31 of the Indian Stamps Act.

(ii) The rate of exchange to be adopted for working out the amount of the Bank Guarantee should be the same as indicated in the Import Licence.

ANNEXURE III
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE

(Deptt. of Economic Affairs)

New Delhi, the

The Manager,
Austrian National Bank,
Otto-Wagner Platz 3,
Vicenna-IX (Austria).

Dear Sir,

Austrian Capital Goods Credit, 1991 Letter of Authority No.

We are to invite a reference to the Order No. dated the (Copy enclosed) placed by M/s. on M/s. for Austrian Schillings on account of we hereby authorise you to pay to M/s. a sum not exceeding Austrian Schillings (Austrian Schillings, ... in accordance with the terms and conditions stipulated in the enclosed statement. It is requested that the invoices, shipping and other documents presented by M/s. be despatched direct to the (Bank).

2. The amount referred to in paragraph 1 above will be repaid by the Government of India in accordance with the terms and conditions laid down in Articles 2 & 3 of the Agreements dated 20th December, 1991 between the Government of India and the Austrian Federal Government.

3. The details of payments made against this Letter of Authority may kindly be intimated to the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Office of the Controller of Aid Accounts & Audit, Janpath Bhawan, 5th Floor, B-Wing, New Delhi-110001 to whom the debit advices alongwith a copy of the shipping and other stipulated documents should be sent.

4. This Authority will remain valid upto day of 19

Yours faithfully,

Under Secretary to the Government of India.

Copy forwarded for information and necessary action to :—

1. M/s. (Bank) The import under reference is covered by Import Licence No. dated for Rs.

This has also reference to your Guarantee No. dated for Rs. This letter of Authority is issued under the Licensing conditions governing the imports under Austrian Capital Goods Credit, 1991. Please refer to those licensing conditions and connected Public Notices/Order etc. and take appropriate action concerning the import/foreign payments. In this connection, specific attention is invited to the following requirements :—

(i) As and when each payment is made to the supplier, please arrange to deposit to Government account, the rupee equivalent of that payment (worked out at the composite rate of exchange, applicable for the date of payment to the supplier), together with interest at rates prescribed from time to time. The present rates of interest as prescribed in Public Notices No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-08-1983 and No. 35-ITC(PN)/83 dated 26-08-1983 are 12% for the first 30 days commencing from the date of payment to the supplier, and for the balance number of days 18% upto and including the date of deposit

(ii) For each foreign disbursement made under this letter of Authority, the rupee deposit is to be made either at the Reserve Bank of India, New Delhi or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi using a certificate challan in the form prescribed in Public Notice No. 74-ITC(PN)/94 dated 31-05-1974

- (iii) For each payment made to the supplier, the original documents (commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees, negotiable sets of shipping documents etc.) should be released to the importer only after setting the Government dues as indicated above.
- (iv) As authorised Dealer in Foreign Exchange, your Bank's duties and responsibilities are prescribed in various A. D. Circulars of the Reserve Bank of India, specific reference in this regard is invited to Circular No. 22 dated 18-06-1977.
- (v) Please acknowledge receipt of this communication to the undersigned as well as to the Controller of Aid, Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Janpath Bhawan, 5th Floor, B-Wing, New Delhi-110001.

2. M/s.....This has reference to their application/letter No..... dated.....and contract purchase order No.....Their specific attention is invited to the instructions contained in (1) above. It may please be noted that the importer is also responsible for ensuring that the Government dues are settled correctly, completely and promptly.

3. Controller of Aid, Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Janpath Bhawan, 5th Floor, B-Wing, New Delhi-110001. The Bank Guarantee No.....dated.....for Rs.....issued by (Bank) in original, one copy of Import Licence No.....dated.....for Rs.....one copy of foreign exchange release sanction No.....dated.....for Rs.....issued by (Ministry) and one set of contract/purchase order No.....are enclosed herewith.

4.
5.

Under Secretary to the Govt. of India.

ANNEXURE-IV

Report to be furnished to the Controller of Aid, Accounts & Audit, Ministry of Finance (DEA) on completion of the Imports/payments under each Letter of Authority

1. Name and full address of the importer/Licensee.
2. The Import Licence Number, date and value.

3. Number, date and amount of the guarantee furnished (in case of private sector imports).

4. Particulars of the Letter of Authority issued by the Ministry of Finance.

5. (a) Number and date of the Letter of Authority.

(b) Amount of the Letter of Authority (in Austrian Schillings).

6. Particulars of imports effected and rupee deposits made :—

(a) Name of Supplier(s).

(b) Amount in Austrian Schillings actually paid to the supplier(s) mentioned at (a) above.....

(c) Date of payment to the supplier by the Austrian National Bank.

(d) Amount of rupee deposit :—

(i) Rupee equivalent of Austrian Schillings amount paid to the supplier @ 1 Aus. Sch. = Rs.....

(ii) Interest paid.

(iii) Period for which the interest has been calculated from.....to.....

(iv) Total deposit made.

(v) Date and Place of deposit.

(vi) Number and date of Treasury Challan (to be enclosed). If the Treasury Challan has already been sent, reference to the letter number and date with which it was sent, may be quoted.

(vii) If the rupee deposit mentioned in (d)(iv) above was made by means of Demand Draft, the number, date and amount of the draft and particulars of Indian importer's letter with which it was sent.

7. Amount utilised and balance unutilised (in Austrian Schillings) against each Letter of Authority.

8. A certificate that the balance indicated in 6 above has not been utilised and no shipment has been made thereof and the same may be treated as lapsed.

(Authorized Signatures)

